भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान
काशी हिन्दू विश्वविद्यालय
IIT INDIAN INSTITUTE OF TECHNOLOGY
BANARAS HINDU UNIVERSITY

☎ 0542 2366676: e-mail : pro.ppc@itbhu.ac.in

कुलसचिव कार्यालय
(प्रेस एवं प्रचार प्रकोष्ठ)
दैनिक जागरण
Office of the Registrar
(Press & Publicity Cell)
दिनांक : 01.02.2019

अब तैयार होंगे आर्किटेक्ट इंजीनियर

आइआइटी बीएचयू में खुलेगा 'डिपार्टमेंट आफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग'

मुकेश चंद्र श्रीवास्तव ● वाराणसी

किसी शहर, कालोनी को बेहतर व व्यवस्थित तरीके से बसाने की प्लानिंग करने वालों की फौज अब काशी में तैयार होगी। इसके लिए भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, बीएचयू में नया विभाग खुलने जा रहा है। इसका नाम डिपार्टमेंट आफ आर्किटेक्चर एंड प्लानिंग होगा। संस्थान के सीनेट और मानव संसाधन विकास मंत्रालय से स्वीकृति भी मिल गई है। अगले सत्र यानी जुलाई से इसकी पढ़ाई भी शुरू हो जाएगी।

आर्किटेक्ट इंजीनियर तैयार करने के लिए पिछले साल ही आइआइटी ने योजना बना ली थी। इसके लिए प्रस्ताव बनाकर सीनेट से भी पास करा लिया गया था। इसको मानव संसाधन विकास मंत्रालय में भेजने की तैयारी भी चल रही थी। इससे पहले मंत्रालय ने ही संस्थान को आर्किटेक्ट की पढ़ाई शुरू करने के लिए पत्र भेज दिया। इससे यह योजना और आसान हो गई।

जागरण विशेष

पहल

- सीनेट व मानव संसाधन विकास मंत्रालय की ओर से भी हरी झंडी
- अगले सत्र यानी जुलाई से शुरू होने लगेगी इस विभाग में पढ़ाई

संस्थान में हो जाएंगी 1346 सीटें

महामना की बगिया में स्थित इस संस्थान में फिलहाल 1108 सीटें है। केंद्र सरकार द्वारा सामान्य श्रेणी के आर्थिक रूप से कमजोर विद्यार्थियों लिए 238 सीटें बढ़ाने जा रही है। इसमें तीन प्रतिशत महिलाओं के लिए एवं चार प्रतिशत आर्थिक आधार पर आरक्षण के लिए शामिल हैं। इसके तहत संस्थान में अब 1346 सीटें हो जाएंगी।

अगले साल 1537 सीटों पर दाखिला

आर्थिक आधार पर आरक्षण के तहत दूसरे फेज में बची और छह प्रतिशत सीटें हो जाएंगी। इसके बाद यहां पर कुल 1537 सीटों पर दाखिला होने लगेगा। हालांकि संस्थान के पास शिक्षक एवं कर्मचारियों की संख्या बढ़ाने के साथ ही हास्टल की व्यवस्था करना भी चुनौती होगी।

शुरुआत में होंगी 25 सीटें : युवाओं में आइटी एवं मेडिकल क्षेत्र में जाने का क्रेज काफी बढ़ गया है। हालांकि सीटें कम पड़ जाने से कई के सपने टूट भी जाते हैं। हालांकि इस तरह के नए विभाग खुलने से अधिक से अधिक युवाओं को मौका मिलेगा।

संस्थान के अधिष्ठाता (शैक्षणिक कार्य) प्रो. एएसके सिन्हा बताते हैं कि शुरुआत में इस नए विभाग में 25 सीटें रहेंगी। बाद में बढ़कर 100 सीटें हो जाएंगी